श्री रामगोपाल माहेश्वरी स्मृति शिक्षा केन्द्र

भूमिका

आज शिक्षा जीवन का मुख्य आधार बन गई है। अच्छी शिक्षा पाकर व्यक्ति अपना भविष्य उज्जवल बना सकता है। वर्तमान समय में तकनीकी व्यवसायिक एवं उच्च शिक्षा महंगी होती जा रही है, जिसका व्यय भार उठाना सामान्य परिवार के लिए कठिन है।

उद्देश्य

श्री रामगोपाल माहेश्वरी स्मृति शिक्षा केन्द्र की स्थापना आर्थिक दृष्टि से कमजोर होनहार छात्र-छात्राओं को कॉलेज, टेक्नीकल एवं उच्च शिक्षा हेतु ऋण स्वरूप सहायता राशि देकर अग्रसर करने के उद्देश्य से की गई है।

स्थापना

स्व. बाबू जी श्री रामगोपाल जी माहेश्वरी का समाज एवं महासभा कार्यों में बहुत बड़ा योगदान और शिक्षा के प्रति उनकी विशेष रुचि थी। इस बात को ध्यान में रखते हुए उनकी स्मृति में ६ वर्ष पूर्व महासभा के २३वें सत्र में तत्कालीन सभापति श्री बंशीलाल जी राठी के कार्यकाल में दिनांक १४-१५ अक्टूबर, २००० को नागपुर में आयोजित महासभा कार्यसमिति बैठक में ''श्रीराम गोपाल माहेश्वरी स्मृति शिक्षा केन्द्र'' के नाम से योजना को महासभा के अन्तर्गत स्थापित करने का निर्णय लिया गया और अप्रैल २००१ से योजना का शुभारम्भ हुआ।

योजना

ऋण सहायता हेतु आवदेन केन्द्र द्वारा बनाये गये अधिकृत आवेदन फार्म पर प्रादेशिक सभा की सिफारिश/अनुमोदन, नियमानुसार आवश्यक जानकारी एवं कागजात, २ बन्धुओं की गारंटी के साथ केन्द्र के उद्देश्यों के अनुरूप प्राप्त होने पर शिक्षा पूर्ति हेतु केन्द्र कोष को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष यथा सम्भव ऋण सहायता राशि स्वीकृत कर भेजी जाती है। केन्द्र से प्राप्त सहायता राशि आवेदक के शिक्षा पूर्ति के १ वर्ष बाद ४ प्रतिशत सेवा शुल्क के साथ अधिकतम २ वर्ष की अविध में केन्द्र को वापस करनी होती है।

पंजीकृत कार्यालय

श्री रामगोपाल माहेश्वरी स्मृति शिक्षा केन्द्र

नं. ४, रमनन रोड, सावकार घाट, चेन्नई-६०००७९